Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
January to March 2025 E-Journal, Volume I, Issue XLIX, ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के ध्येय, उद्देश्य एवं मूल्यों का विवेचन

डॉ. तृप्ति शुक्ला *

*** अतिथि विद्वान, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.) भारत**

शोध सारांश – देश की अर्थव्यवस्था में बैंकों का स्थान महत्वपूर्ण होता है क्योंकि देश के आर्थिक विकास एवं उन्नति के लिए एक अच्छी बैंकिंग व्यवस्था का होना बहुत आवश्यक हैं। वर्तमान में बैंकिंग का विस्तार काफी व्यापक हो चुका हैं। बैंकों के बिना राष्ट्र की अर्थव्यवस्था की प्रगति की कल्पना करना ठीक उसी प्रकार होगा जिस प्रकार बिना रक्त के मानव शरीर होता हैं इसलिए गाँवों के विकास के लिए ग्रामीण बैंकों की स्थापना की गई हैं। देश में उद्योगों की स्थापना, कृषि व लघु उद्योगों का विकास, संचय एवं पूँजी निर्माण, रोजगार के अवसरों का विस्तार बिना बैंकों के सम्भव नहीं है अत: इस शोध पत्र में म.प्र. ग्रामीण बैंक द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के साथ बैंक के ध्येय, उद्देश्य एवं मूल्यों का विस्तार पूर्वक अध्ययन किया गया हैं।

शब्द कुंजी – मूल्य, उद्देश्य, ध्येय, बैंक, ग्रामीण, सुविधाएँ, अर्द्धशहरी, आर्थिक विकास, वित्तीय स्थिरता, ऋणों की वसूली, अर्थव्यवस्था, उद्योग।

प्रस्तावना – यह बैंक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के संरचनात्मक समेकन की प्रक्रिया के भाग के रूप में, मध्यप्रदेश राज्य में तीन पूर्ववर्ती क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के समामेलन से, भारत सरकार की अधिसूचना दिनांक 08.10.2012 के तहत अस्तित्व में आया है।

1 अप्रैल 2019 से सेंट्रल म.प्र. ग्रमीण बैंक और नर्मदा झाबुआ ग्रामीण बैंक का विलय हो गया और नया नाम म.प्र. ग्रामीण बैंक है अर्थात – इन दोनों बैंको (आर.आर.बी.) को मिलाकर एक एकल ग्रामीण बैंक का गठन किया गया। म.प्र. ग्रामीण बैंक का मुख्यालय इन्दौर म.प्र. में स्थित हैं। समामेलित बैंक, बैंक ऑफ इंडिया (बी.ओ.आई.) के प्रयोजन के अधीन हैं।

शाखा तंत्र

म.प्र. ग्रामीण बैंक का कार्य क्षेत्र – बैंक को अपनी सेवाओं को विस्तारित करने तथा व्यवसाय की गतिशीलता को बढ़ाने की नीतियों को अपनाते हुए वर्ष 2018–19 तक 01 नवीन पूर्णत: कम्प्युटरीकृत, शाखा सीबीएस के साथ खोली गई है, जिससे बैंक की कुल शाखाएं 456 हो गई है। जनगणना 2011 के अनुसार इन शाखाओं में 274 ग्रामीण, 134 अर्द्ध शहरी, 31 शहरी, व 17 महानगरीय शाखाएं है। वर्तमान में यह बैंक म.प्र. के 39 जिलों में अपनी 866 शाखाओं, 14 क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय सेवायें प्रदान करता हैं। बैंक का नेटवर्क बहुत मतबूत हैं। जो ग्रामीण निवासियों को व्यापक कवरेज के साथ पहुँच प्रदान करता हैं। मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के बढ़ते हुए रूप को देखते हुए इनकी शाखाओं को क्षेत्रवर, जिलेवार एवं श्रेणीवार किया गया है।

बैंक द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएँ

- म.प्र. ग्रामीण बैंक द्वारा ग्रामीण एवं अर्द्धशहरी क्षेत्रों के लिए निम्न लिखित सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।

1. **बचत खाता एवं चालू खाता।**
2. **फिक्स डिपोजिट ।**
3. **व्यक्तिगत एवं कृषि ऋण।**
4. **स्वरोजगार ऋण योजनाएँ।**
5. **एटीएम एवं माइक्रो सेवाएँ।**
6. **किसान क्रेडिट कार्ड ।**

कोर फाइनेंशियल साल्यूशन CBS तकनीक जो सुचारू ग्राहक अनुभव प्रदान करने के लिए कई वित्तीय सेवाओं को एकीकृत करती है। साथ ही सभी म.प्र. ग्रामीण बैंक शाखाओं को शक्ति प्रदान करती है। बैंक की सभी शाखाएँ RTGS/NEFT सुविधाएँ प्रदान करती है। जो ग्राहकों को आसान एवं तेज इलेक्ट्रॉनिक फंड लेन–देन प्रदान करती है।

ग्राहकों एवं उपयोग कर्ताओं की सुविधा को और बेहतर बनाने के

लिए इसमें इन्टरनेट पर सामग्री देखने सम्बंधी सुविधा भी उपलब्ध कराती हैं। ग्रमीण अर्थव्यस्था को मजबूत करने के लिए ग्रमीण एवं कृषि क्षेत्रों के लिए संस्थागत ऋण बढ़ाकर एवं सहकारी ऋण संरचना को पूरक बनाने का प्रयास करते हैं।

शोधा अवधि – मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक का अध्ययन विगत वर्ष 2018-19 से 2023-24 तक के आधार पर उल्लेख किया गया है।

शोध प्रविधि – इस शोध पत्र को पूर्ण करने के लिए द्वितीय समंकों एवं वार्षिक प्रतिवेदनों की आवश्यकता होगी। अत: बैंक के वार्षिक प्रतिवेदनों की सहायता ली गई है।

शोध के उद्देश्य – मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के ध्येय, उद्देश्य एवं मूल्यों का अध्ययन करना एवं साथ ही साथ यह भी देखना की बैंक अपने उद्देश्यों को पूर्ण करने में सक्षम है या नहीं।

बैंक के ध्येय, उद्देश्य और मूल्य – बैंक का मूल मकसद सतत् आर्थिक विकास, वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देना एवं कुशल वित्तीय प्रणाली के विकास को सुनिश्चित करना है। साथ ही ग्रामीण अर्द्धशहरी और शहरी क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना हैं।

1. **मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक का ध्येय –** लघु किस्म के उद्योगों को प्रोत्साहित करने एवं लघु स्तर के किसानों को उधार धनराशि को उपलब्ध कराने के लिए समय-समय पर सभाओं को स्थापित करते हुए प्रोत्साहित करना एवं हितकारकों की सेवा करना बैंक का मुख्य ध्येय रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने हेतु लघु उद्योगों की स्थापना करते हुए सम्पूर्ण देश की अर्थव्यवस्था में सुधार लाना साथ ही किसानों की व्यक्तिगत आर्थिक परिस्थितियों में भी सुधार लाते हुए सामाजिक उत्थान में सहयोग करना बैंक का ध्येय रहा है, एवं म.प्र. ग्रामीण बैंक को प्रगतिशील म. प्र. की पसंद का बैंक बनाना प्रमुख ध्येय हैं।

2. **बैंक के उद्देश्य**

वर्तमान में बैंक निम्नलिखित उद्देश्यों पर कार्य करता हैं-

1. **व्यापार, उद्योग, कृषि एवं अन्य उत्पादक गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता –** म.प्र. ग्रामीण बैंक जरूरत मंदों को समय पर और पर्याप्त मात्रा में ऋण प्रदान करता है जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार होता हैं और इन सभी क्षेत्रों को प्रोत्साहित करता हैं।
2. **बचत की आदत डालना-** ग्रामीण गरीबों में संचय की आदत डालने के लिए बैंक द्वारा बैंकिंग चैनलों के माध्यम से प्रोत्साहित करना उद्देश्य रहा हैं। ग्रामीणों की छोटी-छोटी बचतों को संग्रह करके उन्हे लाभदायक तथा उत्पादक कार्यो में लगाने का श्रेय बैंकों को ही जाता हैं।
3. **वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देना –** बैंक का प्रमुख उद्देश्य भारत सरकार और आर.बी. आई. द्वारा निर्धारित वित्तीय समावेशन के लक्ष्यों को पूरा करना हैं। सथ ही विभिन्न जनहित योजनाओं का समय पर लाभ लिया जा सकता हैं।
4. **रोजगार के अवसर सृजन करना-** छोटे शहरों एवं ग्रामीण कस्बों में रोजगार के अवसर पैदा करके बेरोजगारी की समस्या को कम करना।

मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक का मुख्य उद्देश्य रहा है कि वह अपने अधिाकारियों एवं कर्मचारियों को बैंक की प्रगति के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि कार्य या अन्य लघु उद्योगों को विकसित करने में कार्यरत व्यक्तियों एवं लघु उद्योगपतियों को वित्त की व्यवस्था प्रदान करने के लिए बेहतर सेवाएँ प्रदान करें एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएँ अधिक से अधिक प्रदान करे। बैंक द्वारा प्रदत्त सेवाओं में मुख्य रूप से वर्तमान आधुनिक युग से व्यवसाय को बढ़ाने हेतु क्या – क्या कदम उठाए जाएँ। ऋणों की वसूली से संबंधित जानकारियों को प्रदान करें, मानव संसाधन के अंतर्गत बैंक अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करते हुए उन्हें ग्राहकों के प्रति नम्रतापूर्वक व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करता रहे। बैंक का मुख्य उद्देश्य भारतीय रिजर्व बैंक, राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार, नाबार्ड, एन. सी. डी. सी., एन.सी.यू. आदि से मिलकर गाँवों को विकासशील बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं को निर्मित करना भी है। बैंक का अंतिम लक्ष्य ग्राहक के लिए सर्वोत्तम परिणाम प्रदान करना है।

बैंक द्वारा अपने ग्राहकों को उत्कृष्ट, अभिनव एवं अत्याधुनिक बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करते हुए उनकी आर्थिक रिपोर्ट में सुधार लाते हुए समस्त गाँवों में विकास के लिए कई आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

3. **बैंक के मूल्य –** बैंक के ग्राहक ही बैंक के मूल मूल्यों के संरक्षक हैं और सही कार्यप्रणाली को साकार करने में मदद करते हैं बैंक की नीतियों एवं निर्णयों को प्रतिविम्बित करने वाले मूल मूल्यों में निम्न शामिल है।

सकारात्मकता – मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक अपने सभी ग्राहकों को इस भावना के साथ सेवाएँ प्रदान करता हैं जिससे ग्राहकों द्वारा ली जाने वाली वित्तीय सहायता का प्रतिफल सकारात्मक रूप में प्राप्त हो। इसके लिए बैंक द्वारा समय-समय पर भिन्न-भिन्न स्थानों पर केम्पों की व्यवस्था की जाती रही है, जिसमें बैंक के सभी अधिकारी वर्ग एवं अन्य कर्मचारियों द्वारा कृषकों एवं अन्य व्यवसायियों को उनकी सेवाओं का सकारात्मक पहलु देखने को मिलता है जहाँ बैंक एवं ग्राहक दोनों के पास सकारात्मक अनुभव होता है।

निरन्तरता – मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक द्वारा स्वयं की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के साथ-साथ सम्पूर्ण देश की अर्थव्यवस्था में सुधार लाने हेतु अनेक योजनाओं का निर्माण करते हुए उन्हें निरन्तर कार्य विधि में लाया गया है जिससे समय-समय पर वित्तीय सहायता के रूप में बैंक द्वारा लघु कृषकों एवं लघु व्यवसायियों को वित्तीय सहायता प्राप्त हो सके। बैंक द्वारा यह भी प्रयास किया जाता है कि सभी वर्ग के कृषकों एवं व्यवसायियों को बिना किसी रूकावटों के निरंतर सेवाएँ प्रदान की जा सकें।

निष्कपटता – मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में विकास करने एवं कृषि क्षेत्र की उन्नति के लिए प्रयोग में आने वाले सभी संसाधनों को निष्कपटतापूर्वक उपयोग में लाया जाता है, अर्थात् बैंक द्वारा कृषकों या लघु किस्म के उद्योगकर्ताओं को निष्पक्ष भावना से बिना किसी कपट भावना के सभी आवश्यक जानकारियाँ उपलब्ध कराई जाती है। बैंक द्वारा अपने अधिकारियों एवं अन्य कर्मचारियों को आवश्यक निर्देशों में यह भी निर्देश दे रखे हैं कि जरूरतमंद लघु कृषकों एवं लघु उद्योगपतियों को समय-समय पर बैंक की गतिविधियों से अवगत कराते हुए वित्तीय सुविधायें प्रदत्त करें।

पारदर्शिता – मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक द्वारा अपने ग्राहकों को वित्तीय सहायता प्रदान करना एवं अपनी उन्नति के लिए पारदर्शिता का विशेष धयान रखा जाता है, जिसके अंतर्गत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में निवास करने वाले सभी कृषकों एवं लघु व्यवसायियों को आसानी से एवं बिना किसी बाधाओं के सूचनाओं से अवगत कराया जाता है। बैंकिंग व्यवसाय में पारदर्शिता का विशेष मूल्य समझते हुए सामाजिक, राजनैतिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों से अपने ग्राहकों को सभी सूचनाओं को व्यवस्थित तरीकों से उपलब्ध कराया जाता है जिससे आवश्यकतानुसार जरूरतमंदों को वित्तीय सहायता प्राप्त हो सके अत: बैंक द्वारा पारदर्शी रहकर ग्राहकों के भरोसे की रक्षा की

जायेगी।

सदाचार – मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक द्वारा अपनी सेवाओं को प्रदान करने में मुख्यता नीतिशास्त्र या व्यवहार दर्शन, नीतिदर्शन एवं आचार–शास्त्र की भूमिकाओं का विशेष ध्यान रखा जाता है, जिसके अंतर्गत बैंक द्वारा लघु कृषकों एवं व्यवसायियों को यह बताने का प्रयास किया जाता है कि किस समय वित्तीय सहायता का लाभ लेना उचित रहेगा एवं कितनी मात्रा में राशि ऋण के रूप में उधार ली जाए जिससे राशि वापस करने में कठिनाईयों का सामना ना करना पड़े। इन सभी कार्यों को करने के लिए बैंक द्वारा अपने ग्राहकों के प्रति सदाचार व्यवहार की नीति अपनाई जाती है।

निष्कर्ष – मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक का ध्येय बैंक को मध्यप्रदेश में एक विकसित बैंक के रूप में स्थापित करना है साथ ही इसका उद्देश्य उत्तम बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करना तथा ग्राहकों को सुरक्षित एवं सरल वित्तीय सुविधाएँ प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध होना है। बैंक ने अपने मूल्यों में निष्कपटता, पारदर्शिता, सदाचार, सकारात्मकता एवं निरंतरता जैसे गुणों को आत्मसात किया है।

'बैंक की टैग लाइन आपका अपना बैंक (Your Own Bank)
जो अपने ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्धता और विश्वास को दर्शाती हैं।'

सुझाव – रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया द्वारा आर्थिक सुधार कि प्रक्रिया के अन्तर्गत बैंक एवं ग्राहक के बीच पारदर्शिता लाने के लिए कई सुधार लागू किये गए हैं। बैंक की एक उपयुक्त कार्यप्रणाली होनी चाहिए जिसके फलस्वरूप बैंक अपने उद्देश्यों को पूर्ण करने में सफल हो। साथ ही बैंक को सकारात्मक सोच के साथ नीतियाँ बनाकर उन पर अमल करना होगा। बैंक का मूल उद्देश्य तभी पूर्ण होगा जब गाँव में रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति बैंकिंग लेन–देन को अच्छी तरह जान सकेगा। बैंकिंग व्यवहार ईमानदारी एवं पारदर्शिता के नैतिक सिद्धांतो पर अधारित होना चाहिए।

संदर्भ ग्रंथ सूची:–

1. बैंकिंग विधि एवं व्यवहार मिश्रा, पी, 1987, प्रिंटेबल पब्लिशर्स जयपुर प्रकाशन, दिल्ली।
2. कार्यप्रणाली एव्र उपलब्धियाँ, यादव, डॉ. जी.पी. 2017, आदित्य पब्लिशर्स बीना म.प्र. प्रकाशक, दिल्ली।
3. भारत के ग्रामीण क्षेत्र डी. हिंगरा आई.सी. (1987) एस. चंद और एस ऑन, नई दिल्ली।
4. मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक के वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2016–17 से 2023–24 तक।
5. रिसर्च मेथोडोलाजी वीरेन्द्र प्रकाश शर्मा पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
6. जी. के. वार्ष्णेय बैंकिग विधि एवं व्यवहार।
7. जर्नल ऑफ बैंकिंग एण्ड फाइनेंस।

वेब साईट:

1. www.shodhganga.com
2. www.rbi.com.in
3. www.cmpgb.com.in
4. https://mpgb.co.in/sitemap.php

****